# स्नातकोतर (हिन्दी साहित्य)

# Master of Art in Hindi Literature

## पाठ्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| 1 | OPHIN101 | हिन्दी उपन्यास |
| 2 | OPHIN102 | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल) |
| 3 | OPHIN103 | प्राचीन हिन्दी कविता |
| 4 | OPHIN104 | हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ |

### OPHIN101– हिन्दी उपन्यास

इस पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों में से किन्हीं पांच की अन्तर्वस्तु और रुप विधान संबंधी विशेषताओं के साथ उनके उपन्यासकारों की समालोचना भी अपेक्षित है। निर्धारित उपन्यासः चार उपन्यासों का अध्ययन

1. प्रेमचन्दः गोदान
2. अज्ञेयः शेखर एक जीवनी /भाग 1
3. हजारीप्रसाद द्विवेदीः बाणभट्ट की आत्मकथा
4. फणीश्वरनाथ रेणुः मैला आँचल

### अनुमोदित ग्रंथ


- डॉ0 गोपाल रायः गोदानः नया परिपेक्ष्य, अनपु म, प्रकाशन, पटना, 2000ई
- रामविलास शमाः प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल, दिल्ली, 1989
- हंसराज रहबरः पेम्रचन्दः व्यक्तित्व और कृतित्व, आत्माराम, दिल्ली–1962
- नेमिचन्द जैनः अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1989
- विजय मोहन सिंहः कथा समय, राधाकृष्ण, दिल्ली 1983
- ज्ञानचंद जैनः प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली 1983
- मधुरेशः हिन्दी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
- गोपाल रायः अज्ञेय और उसके उपन्यास, ग्रन्थ निकेतन, पटना, 1984
- सं0परमांनद श्रीवास्तवः शेखर एक जीवनी का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
- राल्फ फॉक्सः उपन्यास और लोक जीवन, पी पी एच दिल्ली, 1980
- सं0 सत्यप्रकाश मिश्रः गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
- ज्योतिष जोशीः उपन्यास की समकालीनता, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नं. दि. 2007
- सं0 डॉ राजकमल रायः शेखर एक–जीवनीः विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रभा खेतानः उपनिवेश में स्त्री, राजकमल, दिल्ली–2002 पत्रिकाएं
- हंस, हिन्दी उपन्यासः एक सदी, जनवरी, 1999, सं0 राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, 2/36, अंसरी रोड, दरियागंज, दिल्ली, 110002

- सं0 अखिलेशः तद्भव पत्रिका का श्रीलाल शुक्ल पर एकाग्र अंक मार्च 1990, 18/271, इंदिरा नगर, लखनऊ–16
- सं0 चंद्रदेवराय, जयप्रकाश धूमकेतु : अभिनव कदम अंक 6–7 राही मासूम रजा पर केंद्रित नवम्बर 2001–अक्टूबर 2002,223, प्रकाश निकंजु , पावर हाउस रोड़, निजामुद्दीनपुरा, मऊनाथ भंजन–257101(उ0प्र0)
- सं0 नंदकिशोर नवलः कसौटी पत्रिका, बीसवीं सदी कालजयी कृतियाँ, समापन अंक, सं. 15 पुनश्य पटना 2004

## OPHIN 102 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

1. हिन्दी साहित्य का आरम्भ : कब और कैसे ? पूर्ववर्ती साहित्यिक परम्पराएँ– आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य। आदिकालीन काव्य की धाराएं, नाथ, संत, जैन, सिख, रासो, फुटकर रचनाएं।
2. रामकाव्य कृष्णकाव्य, भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक– सांस्कृतिक कारण–सगुण और निगुर्ण भक्ति का सामाजिक आधार–प्रमुख सगुण–निगुर्ण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भक्ति काल की उपलब्धियाँ एवं पतन के कारण, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य।

सन्दर्भ ग्रंथः–

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
4. विश्वनाथ त्रिपाठी – हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

## OPHIN 103– प्राचीन हिन्दी कविता

अमीर खुसरो–अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य प्रभात प्रकाश, न. दि. 2004 (संकलन भोलानाथ तिवारी) गीत 2,7 काव्वाली 2,3,4 सूफी दोहे 1 से 10 तक

चंदबरदाई–पृथ्वीराज रासउ (संयोगिता परिणय) सं0 माता प्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगॉव, झाँसी

विद्यापति–शिवप्रसाद सिंह द्वारा संपादित 'विद्यापति पदावली से गीत संख्या 3,4,5,6,9,14,17,20,25,37,64,75,95,112,113,116,125,126,127– कुल 20 गीत

कबीर–कबीर ग्रंथावलीः साखीः प्रथम पाँच अंगो से 50 साखियाँ सम्पादकः श्यामसुंदरदार

जायसी–'पदमावत' सं0 माता प्रसाद गुप्त भारती भंडार इलाहाबाद, स्तुति खंड नागमती वियोग खंड

## अनुमोदित ग्रंथ

- सं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी – पृथ्वीराज रासों (भूमिका), इलाहाबाद
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, पटना–1961
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर, नई दिल्ली–1990
- पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – हिन्दी काव्य में निगुर्ण संप्रदाय, लखनऊ, 1950
- सं0 रामचन्द्र शवु ल – जायसी गंथ्र ाावली (भूमिका), वाराणसी
- सं0 माता प्रसाद गुप्त – पृथ्वीराज रासउ, झॉसी, 1963
- सं0 माता प्रसाद गुप्त – पदमावत, इलाहाबाद, 1973
- सं0 माता प्रसाद गुप्त – बीसलदेव रास (भूमिका), इलाहाबाद, 1987
- सं0 वासुदेवशरण अग्रवाल – पदमावत झॉसी, सं0 2021 वि0
- विजयदेव नारायण साही – जायसी, इलाहाबाद, 1983
- रघुवंश – कबीरः एक नई दृष्टि, इलाहाबाद, 1993
- शिवप्रसाद सिंह – विद्यापति, इलाहाबाद, 1976
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाथ–सम्प्रदाय, नई दिल्ली
- बिवनकोंतल ऱ्कीं ज्ञतपींदः. डपजीपसं पद ंहम व ्टिपकलंचंजपए टंतंदेपए 1976

### OPHIN 104– हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

(क) अध्ययन के लिएः

1. हिन्दी–गद्य का उद्‌भव एवं विकास
2. गद्य–विधाओं का रचनात्मक विशेषताएँ
3. हिन्दी गद्य की शैलियाँ

(ख) निर्धारित रचनाएं तथा रचनाकार निबंधः

1. बालकृष्ण भट्‌टः साहित्य जन समूह का हृदस का विकास है
2. पेम्र चन्दः साहित्य का उद्‌देश्य
3. रामचन्द शुक्लः श्रद्धा एवं भक्ति
4. हजारी प्रसाद द्विवेदीः भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति
5. कुबेर नाथरायः निसाद बाँसुरी
6. सं. ही वात्स्यायन अज्ञेयः सभ्यता की न्यामतें

रेखाचित्र संस्मरण

महादेवी वर्माः स्मृति की रेखाएँ, बिटिया

जीवनी

विष्णु प्रभाकरः आवारा मसीहा का एक अंश (शरच्चन्द्र और रवीन्द्रनाथ टैगोर)

रिपोर्ताज

रांगेय राघवः अदम्य जीवन (रांगेय राघव रचनावली, खण्ड–8)
यात्रा वृतांत
भारतेन्दुः सरयूपार की यात्रा

## अनुमोदित ग्रंथ


1. रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी, सं0 2025
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : साहित्य सहचर, इलाहाबाद, 1976
3. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा : हिन्दी गद्य शैली का विकास, वाराणसी, 1959
4. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : आधुनिक हिन्दी साहित्य, इलाहाबाद, 1971
5. रामचन्द्र तिवारी : हिन्दी का गद्य साहित्य, वाराणसी, 1968
6. नंददुलारे वाजपेयी : आधुनिक साहित्य, इलाहाबाद, 1950
7. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य, दिल्ली, 1968
8. विजेयन्द्र स्नातक : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, दिल्ली, 1962
9. विभुराम मिश्र : प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार, इलाहाबाद, 1992